**Total Pages : 3** **Roll No. ----------**

# MAJY-602

## ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एंव दशाफल विचार–01

## एम0ए0 ज्येातिष (MAJY-20/21)

तृतीय सेमेस्टर, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. नाभस योग का विस्तृत उल्लेख कीजिये।

P.T.O.

Q.2. चन्द्रमा से बनने वाले योग का वर्णन करें।

Q.3. दारिद्रय एंव मारक योग से क्या तात्पर्य है?

Q.4. योगिनी दशा साधन कीजिये।

Q.5. विंशोत्तरी दशा का परिचय देते हुए साधन विधि का उल्लेख कीजिये।

## खण्ड – ख

## लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. राज योग का विश्लेषण कीजिये।

Q.2. मारक योग क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

Q.3. अष्टोत्तरी दशा का परिचय दीजिये।

Q.4. सूक्ष्म एंव प्राण दशा का वर्णन कीजिये।

Q.5. फलित ज्योतिष का महत्व प्रतिपादित कीजिये।

Q.6. अन्तर्दशा एंव प्रत्यन्तर्दशा क्या है?

Q.7. दारिद्रय योग पर टिप्पणी लिखिये।

Q.8. होरा से क्या तात्पर्य है?

**********